जयशंकर प्रसाद की कहानियों में प्रेम - तत्व।

डा. के.पी. शाह,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
यशवंतराव कव्हाण महाविद्यालय,
कोल्हापुर ।
स्नातकोत्तर अध्यापक एवं शोध निर्देशक,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर । (महाराष्ट्र)

प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, प्रा.सौ. आशा एस्.मणियार ने शिवाजी विश्वविद्यालय की ` एम्.फिल्. (हिंदी) ` उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध ` जयशंकर प्रसाद की कहानियों में प्रेम-तत्व । ` मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पुरा किया है ।
सौ. मणियार आशा एस्. के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ ।

(डा. के.पी. शाह)

कोल्हापुर :
दिनांक : २४-५-८९

अनुक्रमणिका

पृष्ठ क्रमांक

प्राक्कथन	..... 1 - - - - 5
प्रथम अध्याय - प्रेम का स्वरूप ।	..... 6 - - - 40
द्वितीय अध्याय - प्रसाद और हिंदी कहानी ।	.....41 - - - 75
तृतीय अध्याय - हिंदी कहानी में प्रेम ।	..... 76 - - - 109
चतुर्थ अध्याय - प्रसाद की कहानियों में प्रेम के विविध रूप	.....110 - - - 142
पंचम अध्याय - प्रसाद का प्रेम विषयक दृष्टिकोण	.....143 - - - 158
उपसंहार	.....159 - - - 171
संदर्भ ग्रंथ सूची	.....172 - - - 173